YEAR-2002

पुरातनता बनाम आधुनिकता

सामान्य व्यक्ति के लिए यातायात के मुख्य माध्यम तथा प्रमुख उद्योग के रूप में रेल राष्ट्र के जीवन में उल्लेखनीय भूमिका अदा करती है। रेलवे के पास सर्वोत्तम आधारभूत संरचना होने के कारण, भारतीय रेल आज भारत के आधुनिकता की ओर बढ़ते कदमों को सहयोग प्रदान करने में उत्कृष्टता की नई बुलंदियों को छू रही है।

रेल मंत्रालय की झांकी भारतीय रेल की पुरातन समय से आधुनिक समय तक की यात्रा को प्रदर्शित करती है। ट्रैक्टर पर भारतीय रेल की अपनी गौरवशाली विरासत और 1855 में निर्मित प्राचीनतम् भाप के इंजन द फेयरी क्वीन को दिखाया गया है। प्राचीनतम् कार्यरत् भाप का इंजन होने के कारण गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड्स में स्थान पाते हुए 'द फेयरी क्वीन' ने भारत के लिए गौरव अर्जित किया है। ट्रैक्टर के पिछले हिस्से में ष्अत्याधुनिक माइक्रोप्रोसेसर नियंत्रित उच्च अश्व क्षमता के 3 फेज ड्राइव डब्ल्यू. ए. पी. (यात्री) और डब्ल्यू. ए. जी. (माल) इलेक्ट्रिक इंजनों को प्रस्तुत किया गया है जिससे रेल को उच्चतर और अधिक प्रभावी पैमाने पर प्रचालन क्षमता प्राप्त हुई है।

ANTIQUITY TO MODERNITY

As the principal mode of transport for the common man, and core industry, Railways play a significant role in the life of the nation. Having built a rail infrastructure that is comparable to the best, the Indian Railways (IR) today are poised to scale new heights of excellence to support India's march towards modernity

The tableau of Ministry of Railways depicts the journey of Indian Railways from antiquity to modernity. On the tractor, IR shows its proud heritage and oldest steam engine 'The Fairy Queen' locomotive built in 1855, which is still in service between Delhi and Alwar. "The Fairy Queen' has also won the pride to India by entering the Guinness Book of World Records being the oldest working steam locomotive. The rear portion of tractor introduces the "state-of-the-art" microprocessor controlled high horse power 3 phase drive WAP (Passenger) and WAG (Goods) Electric Locomotives enabling the railways the required drive for a higher and more efficient scale of operations.